ROHTAS MAHILA College SASARAM
Department of History - Subsidiary
07-05-2020 B.A I. [2019-20]
Dr. Satyajeet Sarang [Notes]

बौद्ध संगीतियाँ

[1.] प्रथम →
स्थान → राजगृह [सप्तपर्णी गुफा]
समय → 483 ई० पू०
अध्यक्ष → महाकस्सप
शासनकाल → अजातशत्रु [हर्यक वंश]
उद्देश्य → बुद्ध के उपदेशों को दो पिटकों विनय पिटक तथा सुत्त पिटक में संकलित किया गया।

[2.] द्वितीय
स्थान → वैशाली
समय → 383 ई० पू०
अध्यक्ष → साबकमीर [सर्वकामनी]
शासनकाल → कालाशोक [शिशुनागवंश]
उद्देश्य → अनुशासन को लेकर मतभेद के समाधान के लिए बौद्ध धर्म स्थाविर एवं महासांघिक दो भागों में बँट गया।

[3.] तृतीय →
स्थान → पाटलिपुत्र
समय → 251 ई० पू०
अध्यक्ष → मोग्गलिपुत्ततिस्स
शासनकाल → अशोक [मौर्यवंश]
उद्देश्य → संघ भेद के विरुद्ध कठोर नियमों का प्रतिपादन करके बौद्ध धर्म

को स्थायित्व प्रदान करने का प्रयत्न किया गया। धर्म ग्रन्थों का अंतिम रूप से सम्पादन किया गया तथा तीसरा पिटक अभिधम्मपिटक जोड़ा गया।

4.] चतुर्थ →
स्थान → कश्मीर के कुण्डलवन
समय → लगभग ईसा की प्रथम शताब्दी
अध्यक्ष → वसुमित्र एवं अश्वघोष (उपाध्यक्ष)
शासनकाल → कनिष्क [कुषाणवंश]
उद्देश्य → बौद्ध धर्म को दो सम्प्रदायों हीनयान तथा महायान में विभाजन

★ बोरोबुदुर का बौद्ध स्तूप जो विश्व का सबसे विशाल तथा अनेप्रकार का एक मात्र स्तूप का निर्माण शैलेन्द्र राजाओं ने मध्य जावा इण्डोनेशिया में कराया।

★ बुद्ध के 'पंचशील सिद्धान्त' का वर्णन छान्दोग्य उपनिषद में मिलता है।

बौद्ध धर्म का योगदान

★ भारतीय दर्शन में तर्कशास्त्र की प्रगति बौद्ध धर्म के प्रभाव से हुई। बौद्ध दर्शन में शून्यवाद तथा विज्ञानवाद की जिन दार्शनिक पद्धतियों का उदय हुआ उसका प्रभाव शंकराचार्य के दर्शन पर पड़ा। यही कारण है कि शंकराचार्य को कभी-कभी प्रच्छन्न बौद्ध भी कहा जाता है।

★ बौद्ध धर्म की सर्वाधिक महत्वपूर्ण देन भारतीय कला एवं स्थापत्य का विकास

में रही। साँची, भरहुत, अमरावती के स्तूपों तथा अशोक के शिला स्तम्भों कार्ले की बौद्ध गुफाएं, अजन्ता, एलोरा, बाघ तथा बराबर की गुफाएं बौद्ध कालीन स्थापत्य कला एवं चित्रकला श्रेष्ठतम आदर्श है।

★ गान्धार शैली के अन्तर्गत ही सर्वाधिक बुद्ध मूर्तियों का निर्माण किया गया।

सम्भवतः प्रथम बुद्ध मूर्ति मथुराकला के अन्तर्गत बनी।

★ बुद्ध के जीवन से सम्बंधित बौद्ध धर्म के प्रतीक

घटना		चिन्ह / प्रतीक
जन्म	→	कमल व सांड
गृहत्याग	→	घोड़ा
ज्ञान	→	पीपल [बोधि वृक्ष]
निर्वाण	→	पद चिन्ह
मृत्यु	→	स्तूप

★ महात्मा बुद्ध तीन नामों से जाने गये → [1] बुद्ध [2] तथागत [3] शाक्यमुनि।

बोधगया

मगधसाम्राज्य के अंतर्गत वर्तमान बिहार में फाल्गु नदी के तट पर स्थित एक बौद्ध स्थल है। गौतम बुद्ध [शाक्यमुनि] बोधिवृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त [निर्वाण] किये थे। यहाँ का महाबोधि मंदिर भगवान बुद्ध के विभिन्न अवस्थाओं में ज्ञान प्राप्ति की प्रतिमाएं प्राप्त होती है।